बेनी खरगोश के तीन कोट

सारा एशरोनो

चित्र: एलिजाबेथ

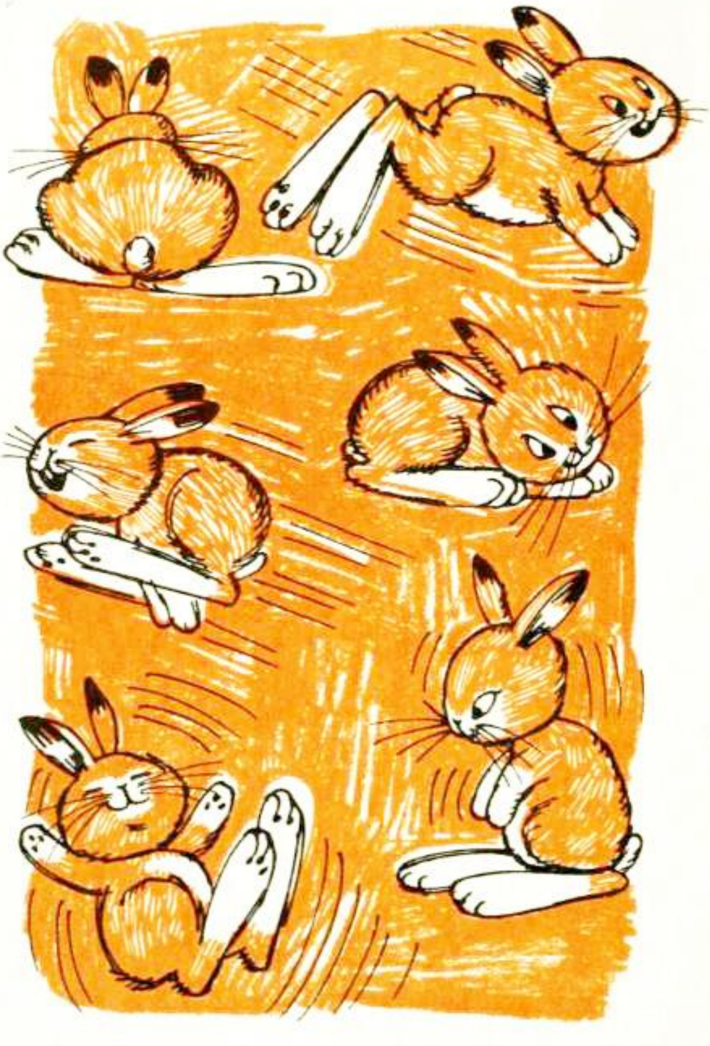
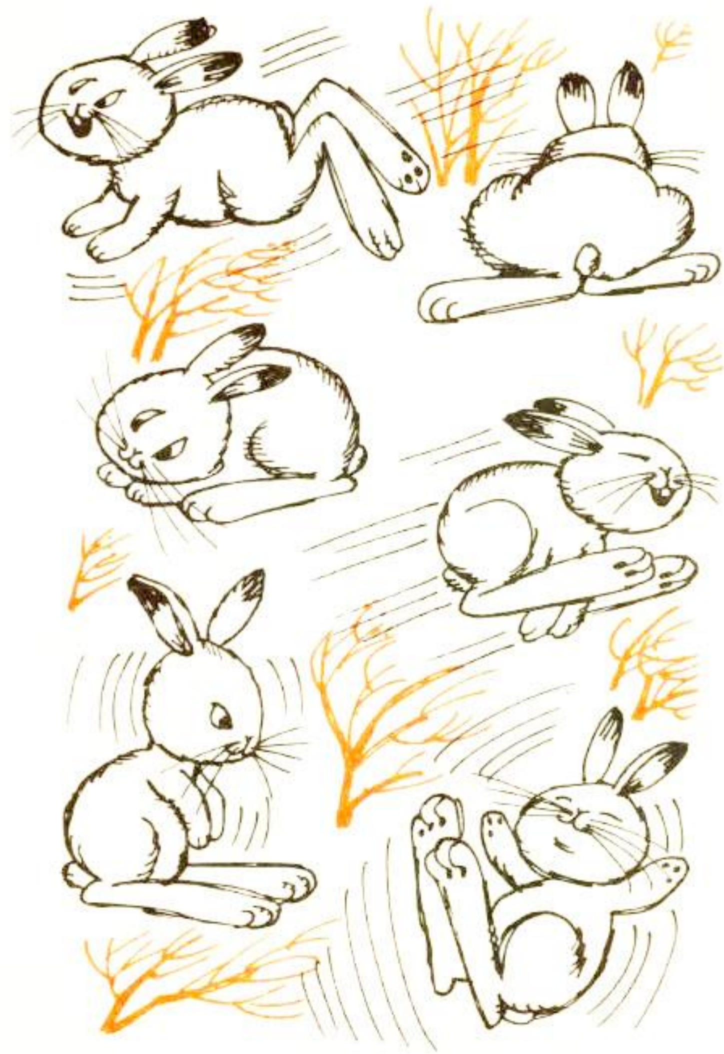

बेनी खरगोश के तीन कोट

सारा एशरोनो
चित्र: एलिजाबेथ

बेनी एक छोटा खरगोश था.

कुछ खरगोश फार्म पर रहते हैं.

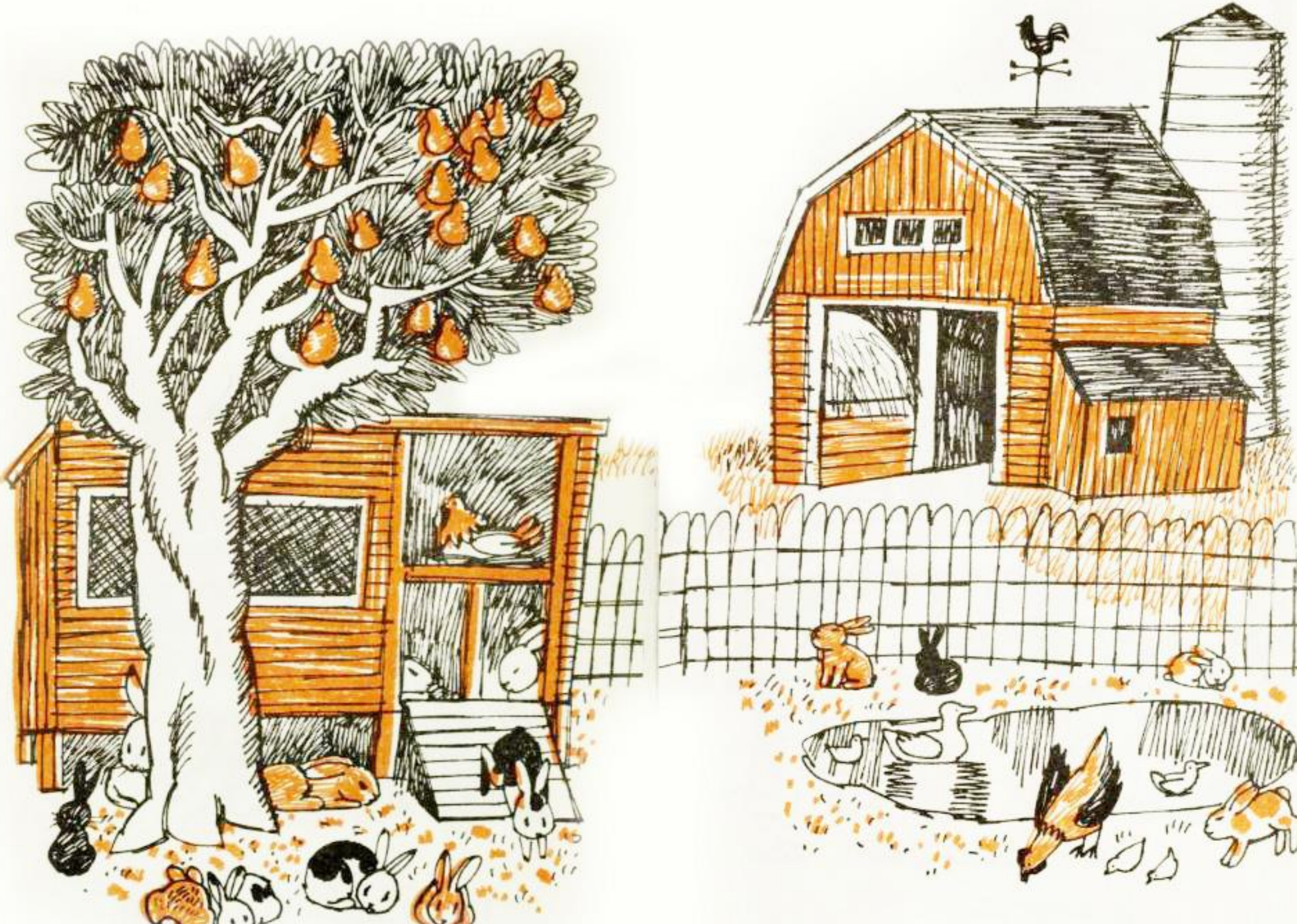

फ्रैंक्स की पालतू जानवरों की दुकान

कुछ खरगोश पालतू जानवरों की दुकानों में रहते हैं.

कुछ खरगोश घर में किसी लड़के
या लड़की के साथ रहते हैं.

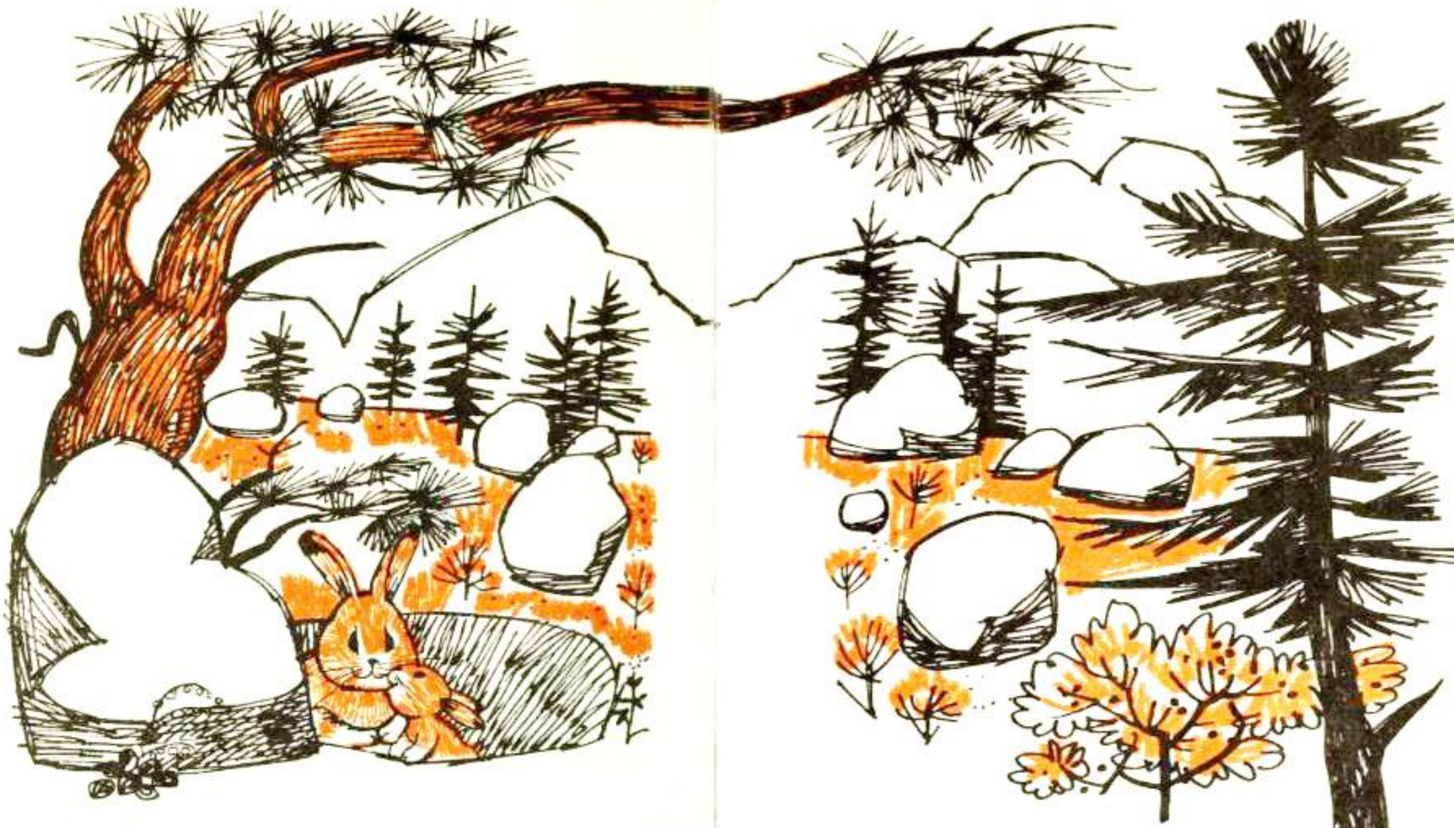

लेकिन बेनी खरगोश किसी फार्म पर नहीं रहता था.

वो पालतू जानवरों की दुकान या किसी के घर में भी नहीं रहता था.

बेनी खरगोश एक स्नोशू खरगोश था.

और वो बेहद ठंडे नॉर्थलैंड में रहता था.

एक स्नोशू (स्नो का जूता) इस तरह दिखता है:

स्नोशू पहनकर कोई आदमी गहरी
बर्फ पर आसानी से चल सकता है

.

किसी स्नोशू खरगोश के
पैर उसी तरह के होते हैं:

इसलिए स्नोशू खरगोश ऐसा दिखता है
जैसे वो अपने पैरों में बड़े-बड़े जूते पहने हो.

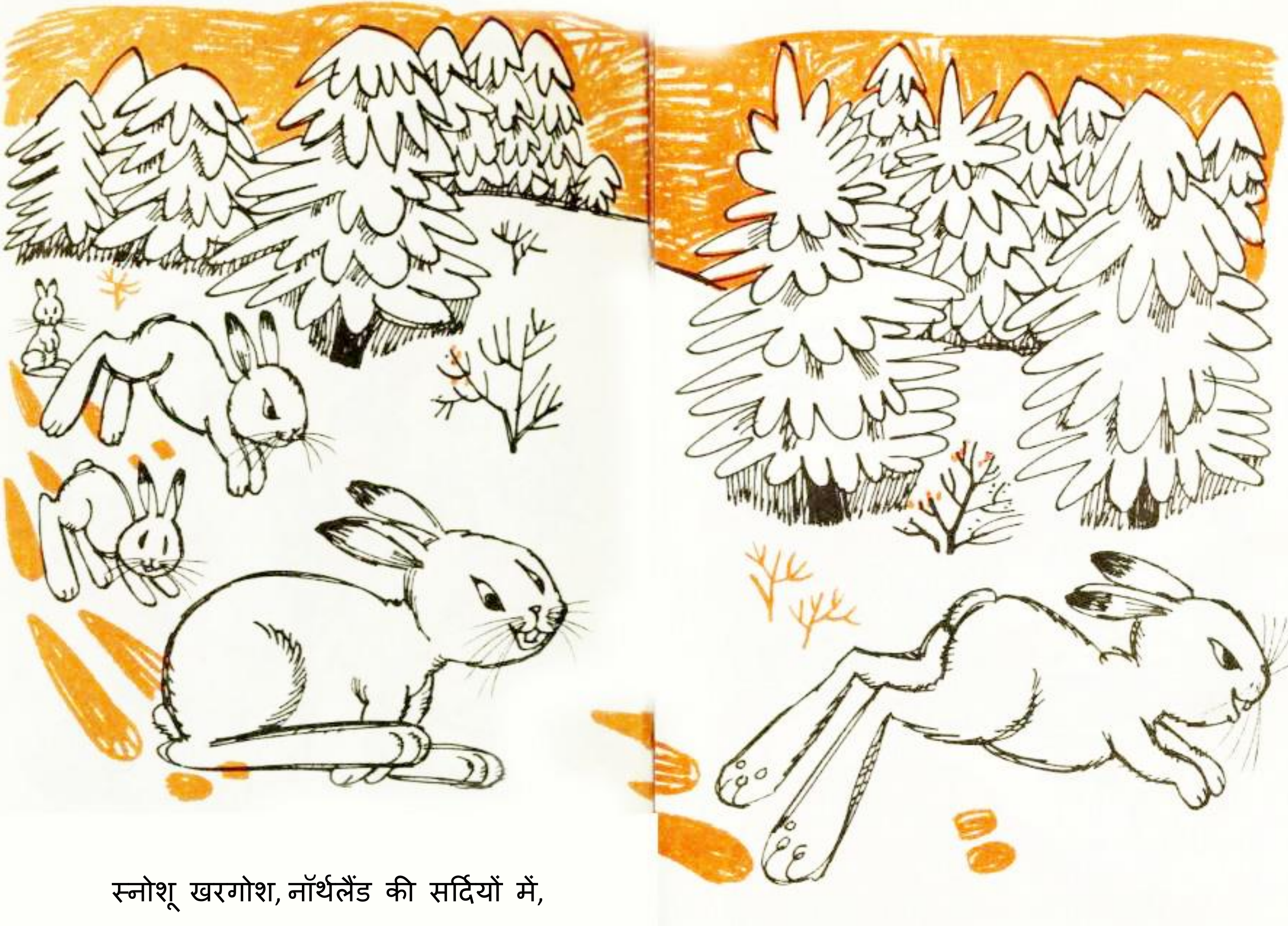

स्नोशू खरगोश, नॉर्थलैंड की सर्दियों में,

गहरी बर्फ पर तेजी से दौड़ सकते हैं.

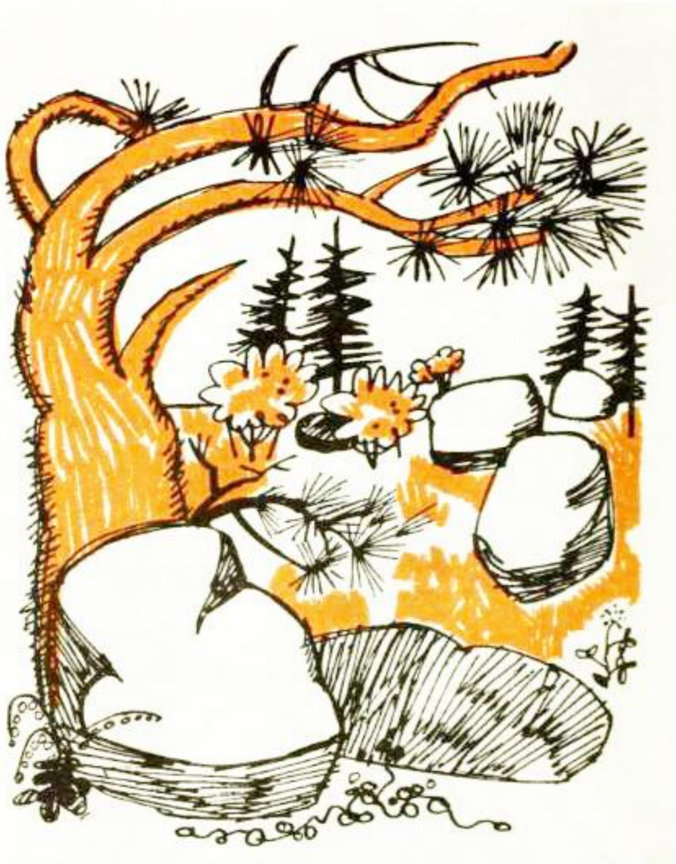

पर अब नॉर्थलैंड में गर्मी का मौसम था

और इसलिए बेनी खरगोश की खाल का

रंग गर्मियों में भूरा था.

गर्मियों में नॉर्थलैंड की जमीन

भूरी दिखती थी.

बेनी खरगोश की खाल भी भूरी थी.

जमीन जैसी ही भूरी.

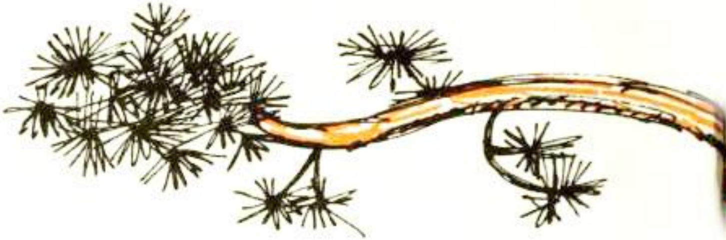

बेनी खरगोश छोटा था, और उसे
दौड़ना और खेलना पसंद था.

लेकिन उसे हर समय अपने दुश्मनों
से सतर्क रहना पड़ता था.

उसे बूढ़े उल्लू से बचना पड़ता था.

उसे लोमड़ी से बचना पड़ता था.

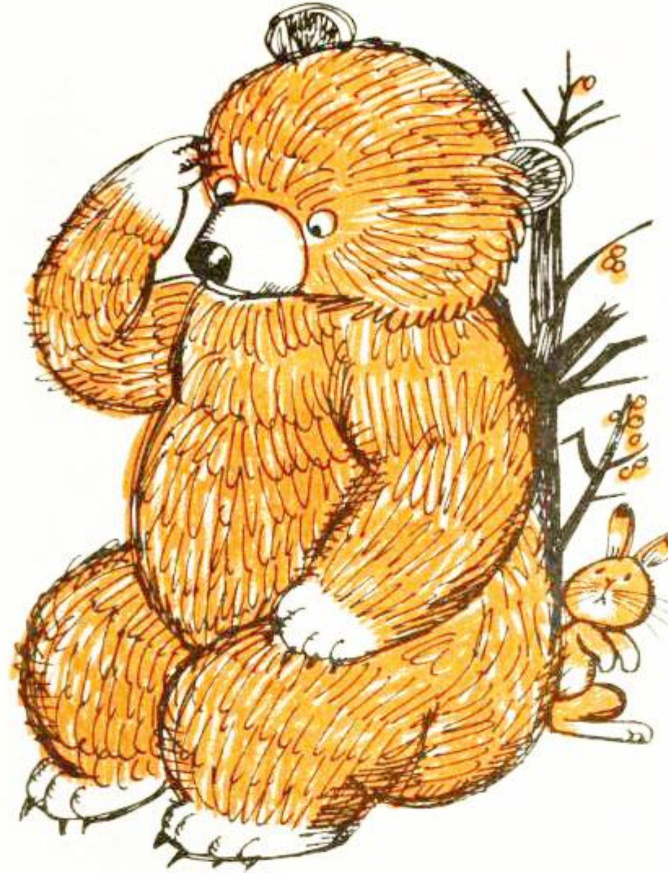

और उसे बड़े भालू से दूर रहना पड़ता था.

क्योंकि वे सभी एक मोटे स्नोशू खरगोश

को पकड़ना चाहते थे.

वैसे बेनी खरगोश डरता नहीं था.

क्योंकि वो काफी तेज दौड़ सकता था.

वो किसी छोटी भूरी झाड़ी में जाकर छिप सकता था.

भूरी झाड़ी में भूरे खरगोश को कोई देख नहीं सकता था

भूरी झाड़ी में खरगोश सुरक्षित था.

एक दिन, बड़े भालू ने

बेनी खरगोश को खेलते हुए देखा.

बड़े भालू ने पुकारा,

"अब मैं तुम्हें पकड़ लूँगा!"

बेनी खरगोश दौड़ा.

वो बहुत तेज़ भागा!

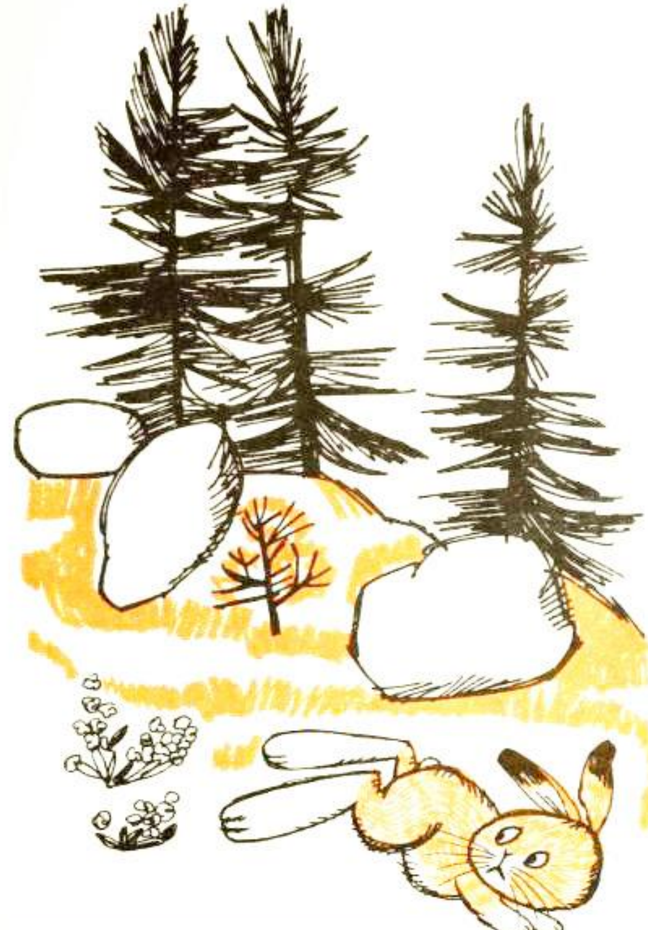

फिर वो एक छोटी भूरी झाड़ी में जाकर छिप गया.

बड़े भालू ने चारों ओर देखा.

"वो खरगोश कहाँ है?" बड़े भालू ने कहा.

"मैंने अभी-अभी उसे यहाँ देखा था!"

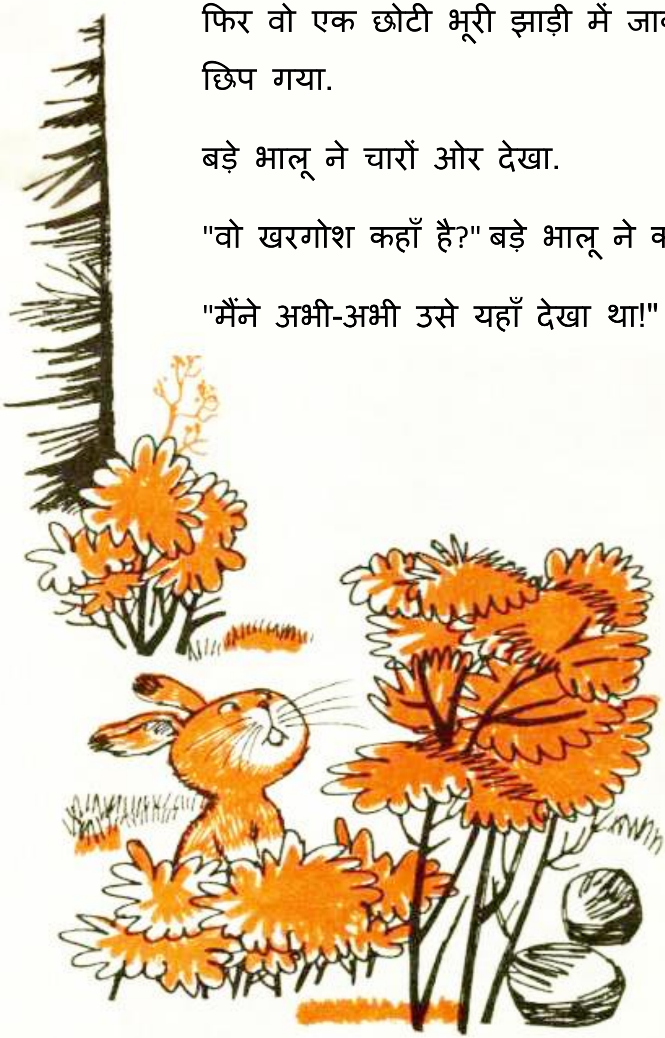

बड़े भालू को भूरी झाड़ी में

छोटा भूरा खरगोश दिखाई ही नहीं दिया.

"किसी दिन मैं उसे ज़रूर पकडूँगा!" बड़े भालू ने कहा.

और फिर वो चला गया.

"मेरे पास एक अच्छा कोट है!" बेनी खरगोश ने सोचा,

वो डरता नहीं था.

लेकिन एक दिन उसकी माँ ने कहा,

"जल्द ही गर्मी खत्म हो जाएगी, बेनी खरगोश,

और फिर तुम्हें एक नया कोट मिलेगा!"

बेचारा बेनी खरगोश.

एक नया कोट!

"मैं उस नए कोट का क्या करूँगा?" उसने सोचा.

"फिर मैं उल्लू, लोमड़ी और भालू से कैसे छिपूंगा?"

जल्द ही नॉर्थलैंड में ठंड पड़ने लगी.

ठंड बढ़ती गई.

इधर-उधर बर्फ गिरने लगी.

एक दिन खरगोश माँ ने कहा,

"मैं तुम्हारे नए कोट को बढ़ते हुए देख सकती हूँ. अब मुझे तुम्हारी खाल में कुछ सफेद बाल भी दिखाई दे रहे हैं."

बेचारा बेनी खरगोश.

"अब मैं क्या करूँगा?" उसने सोचा.

"अब मैं अपने दुश्मनों से कैसे बचूंगा?"

बेनी खरगोश ने उल्लू के बारे में सोचा.

उसने लोमड़ी और बड़े भालू के बारे में भी सोचा.

पर वो खेलने के लिए बाहर नहीं गया.

जल्द ही खरगोश माँ ने कहा,

"मुझे तुम्हारे कोट में और ज़्यादा सफेद बाल दिख रहे हैं.

अब तुम्हारा नया कोट भूरा और सफेद है.

और वो बहुत तेजी से बढ़ रहा है."

लेकिन एक दिन उसे बाहर जाना पड़ा.

वो अपनी माँ के साथ भोजन की तलाश करने बाहर गया.

घर के रास्ते में उन्हें लोमड़ी दिखी.

"दौड़ो!" माँ खरगोश चिल्लाई.

बेनी खरगोश और उसकी माँ दौड़े.

वे बहुत तेज़ भागे!

फिर वे एक छोटी झाड़ी में छिप गए.

"एकदम शांत रहो!" खरगोश माँ ने कहा,

"फिर लोमड़ी हमें ढूंढ नहीं पाएगी!"

"वो हमें खोज लेगी!" बेनी खरगोश ने कहा.

"मेरा कोट अब भूरा और सफेद है.

इसलिए लोमड़ी मुझे देख लेगी!"

"अपने चारों ओर देखो, बेनी खरगोश,"

उसकी माँ ने कहा.

बेनी खरगोश ने चारों ओर देखा.

उसने जो देखा उसे देखकर वो बहुत हैरान हुआ.

नॉर्थलैंड भी भूरा और सफ़ेद था!

इधर-उधर, उसने भूरी झाड़ियों को देखा.

इधर-उधर, उसने सफेद बर्फ देखी.

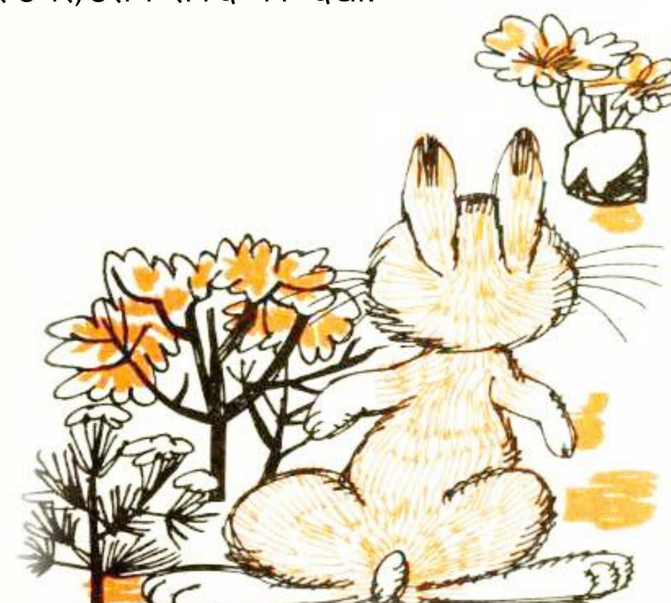

बेनी खरगोश अब बहुत खुश था.

नॉर्थलैंड भी भूरा और सफेद था,

बिल्कुल वैसा ही जैसा उसका नया कोट था.

वो फिर से खेलने के लिए बाहर भागा—

और फिर वो पूरे दिन बाहर ही रहा.

"अब कोई मुझे पकड़ नहीं सकता!" बेनी खरगोश ने सोचा.

"अब मुझे कोई नहीं पकड़ सकता है!"

एक दिन, बड़ा भालू उसके पीछे दौड़ा.

लेकिन छोटा खरगोश एक झाड़ी में जाकर छिप गया.

"वो खरगोश कहाँ गया?" बड़े भालू ने कहा.

"मैंने उसे अभी-अभी यहाँ देखा था!"

लेकिन भालू को भूरी और सफेद झाड़ी में

वो भूरा और सफेद खरगोश दिखाई ही नहीं दिया.

फिर बड़ा भालू चला गया.

"मेरी खाल यानि कोट बहुत अच्छा है!" बेनी खरगोश ने सोचा,

और अब उसे डर नहीं लग रहा था.

नॉर्थलैंड में अब बहुत ज़बरदस्त ठंड थी.

"जल्द ही सर्दी का मौसम आ जायेगा,"
एक दिन खरगोश माँ ने कहा.

"बेनी खरगोश, तुम्हारा नया कोट बढ़ रहा है.
और बिल्कुल समय पर!"

एक नया कोट!

"धत्तेरे की!" बेनी खरगोश ने सोचा.

"मुझे नया कोट नहीं चाहिए.

मेरे पास जो है वही ठीक है."

और छोटा खरगोश बेचारा फिर से डर गया.

उसके बाद बेनी खरगोश बाहर नहीं गया.

वो हर दिन अंदर घर में ही रहा.

"मेरे साथ बाहर आओ," माँ खरगोश ने उससे कहा.

"आज नहीं," बेनी खरगोश ने बहाना बनाया.

जल्द ही खरगोश माँ ने फिर कहा,

"चलो, मेरे साथ बाहर आओ."

पर बेनी खरगोश ने फिर वही कहा,

"आज नहीं."

अंत में उसकी माँ ने कहा,

"क्या बात है बेनी खरगोश? क्या बात है?"

फिर बेनी खरगोश ने कहा, "मुझे डर लगता है."

"मैं अपने नए कोट से डरता हूँ."

"तुम्हारा नया कोट सफेद और सुंदर भी है,"
उसकी माँ ने कहा.

"एक सफेद कोट!" बेनी खरगोश रोने लगा.

"डरो मत, बेनी खरगोश," उसकी माँ ने कहा.

"बेनी खरगोश," उसकी माँ ने कहा.

"मुझे देखो. ज़रा मेरा नया कोट देखो."

बेनी खरगोश ने देखा कि अब

उसकी माँ का कोट बिलकुल सफ़ेद था.

"तुम्हारे पास एक अच्छा कोट है.

और ज़रा अपने पैरों को देखो!"

बेनी खरगोश अपने पैरों को

देखकर हैरान रह गया.

उसके बड़े-बड़े स्नोशू पैर थे.

"देखो!" उसकी माँ ने कहा.

"तुम अब तैयार हो."

"तैयार?" बेनी खरगोश ने कहा.

"किसके लिए तैयार?"

"आओ और बाहर आकर देखो," उसकी माँ ने कहा.

फिर बेनी खरगोश ने बाहर जाकर देखा
और वो चिल्लाया, "ओह!"

"कितने आश्चर्य की बात है!

दुनिया बर्फ से सफेद थी.

बाहर सब कुछ सफेद है,

मेरे नए कोट जैसे ही."

"देखो!" उसकी माँ ने कहा.

"अब तुम्हारे पास स्नोशू पैर हैं

और एक बर्फ जैसा सफेद कोट है.

अब तुम नॉर्थलैंड की ठंड के लिए तैयार हो."

"चलो अब बाहर चलें!"

बेनी खरगोश चिल्लाया.

"चलो बाहर चलें!"

और फिर वो भाग गया

बर्फ की सफेद दुनिया में.

समाप्त